है इसमें से लगभग 2.05 लाख है० राज्य के आठ मुख्य आदिवासी जिलों में है । 1990 91 के दौरान मध्य प्रदेश में रामतिल का उत्पादन 48,000 मीटरी टन होने का अनुमान है ।

(ग) जी, नहीं । रामतिल एक छोटा तिलहन है । मूंगफली, सूरजमुखी, सोया बीन, तोरिया सरसों और कुसुम जैसे अन्य तिलहनों की तुलना में इसका उत्पादन नगण्य है । इसलिये, रामतिल के मूल्य, मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत निर्धारित नहीं किये गये हैं ।

(घ) जी, हां । इस मद का निर्यात नेफेड और ट्राइफेड के जरिये किया जाता है ।

(ङ) जी, हां । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तिलहनों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत रामतिल के सुधार पर अनुसंधान कर रहा है ।

Bharatiya Kisan Union rally at Boat Club

812. SHRI BEKAL UTSAHI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a farmers' rally was organised by the Bharatiya Kisan Union on October, 2, 1991, with a view to seek redressal of farmers' grievances at the Boat Club lawn New Delhi;

(b) if so, what were the main demands put forward at the rally; and

(c) what steps Government have taken to redress the grievances?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) Yes, Sir.

(b) Bharatiya Kissan Union has not communicated the main demands put forward at the Rally.

(c) Question does not arise.

पंजाब में भूमि की उर्वरता

813. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

श्री राम जेटमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार का ध्यान 11 नवम्बर, 1991 के दैनिक ट्रिब्यून में "पंजाब ग्रोथ मेन्ली आन फार्म फ्रंट सर्वे" नामक शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि अभी तक पंजाब में गेहूं तथा चावल की खेती होती रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कीटनाशकों तथा सिंचाई सुविधा के अभाव और अन्य कारणों से भूमि की उर्वरता धीरे-धीरे प्रभावित होने की संभावना है ; और

(घ) यदि हां, तो उस राज्य में भूमि की उर्वरता को बनाये रखने की दृष्टि से सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं तथा उन्हें कार्यान्वित किये जाने के लिये अभी तक किये गये प्रबंधकों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां ।

(ख) गेहूं और चावल के अलावा, कपास, गन्ने, मक्का, तिलहनों और दालों जैसी अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं ।

(ग) जी, नहीं । पंजाब राज्य में कृमिनाशी दवाओं और सिंचाई की सुविधाओं की कुल उपलब्धता संतोषजनक बताई जाती है । उर्वरकों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से मृदा की उर्वरता का ध्यान रखा जा रहा है ।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता ।